



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34 ]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 19, 2004/माघ 30, 1925

No. 34 ]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 19, 2004/MAGHA 30, 1925

## भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 19 फरवरी, 2004

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व-विनियामक संगठन) विनियम, 2004

फा. सं. भाप्रबिबो/विकावि/नीप्र/3348/2004.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11 की उप-धारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

### अध्याय I

#### प्रारम्भिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ 1.

- (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व-विनियामक संगठन) विनियम, 2004 कहा जा सकेगा।
- (2) ये विनियम ऐसी तारीख को प्रवृत्त होंगे

जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाये :

परंतु यह कि इन विनियमों के भिन्न-भिन्न उपबंधों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें विनिर्दिष्ट की जा सकेंगी और इन विनियमों के प्रारंभ के प्रति किसी ऐसे उपबंध में किसी निर्देश का अर्थ उस उपबंध के प्रारंभ के प्रति निर्देश के रूप में लगाया जायेगा ।

परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है ;

(ख) "बोर्ड" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अभिप्रेत है ;

(ग) "अभिकर्ता" से कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो प्रतिभूति बाजार से सहयुक्त है और जो प्रतिभूति उत्पादों के वितरण के

कारबार का संचालन करता है ;

- (घ) "प्रमाणपत्र" से विनियम 5 के उप-विनियम (1) के अधीन बोर्ड द्वारा स्व-विनियामक संगठन को प्रदान की गई मान्यता का प्रमाणपत्र अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत विनियम 9 के अधीन नवीकृत प्रमाणपत्र आता है ;
- (ङ) "कंपनी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जिसे कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 25 के अधीन लाइसेंस प्रदान किया गया हो ;
- (च) "आर्थिक अपराध" से वह अपराध अभिप्रेत है जिसके प्रति आर्थिक अपराध (परिसीमा का लागू न होना) अधिनियम, 1974 (1974 का 12), तत्समय लागू है और इसके अंतर्गत भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और निक्षेपागार अधिनियम, 1996 के अधीन अपराध आता है ;

- (छ) "शासी मानक" से विनियम 15 के उप-विनियम (1) के अनुसार बनाये गये स्व-विनियामक संगठन के शासी मानक अभिप्रेत हैं;
- (ज) "मध्यवर्ती" से कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो अधिनियम की धारा 12 के अधीन बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत है ;
- (झ) "सदस्य" से मध्यवर्ती अभिप्रेत है जिसे स्व-विनियामक संगठन के सदस्य के तौर पर सम्मिलित किया गया है और जिसके अंतर्गत अभिकर्ता आता है जिसे इस प्रकार सम्मिलित किया गया है;
- (ञ) "पदाधिकारी", स्व-विनियामक संगठन के संबंध में, से अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, कोई पूर्णकालिक निदेशक या मुख्य कार्यपालक अधिकारी, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाए, अभिप्रेत है, और इसके अंतर्गत स्व विनियामक संगठन द्वारा इन विनियमों के अधीन मान्यता प्रदान करने या के नवीकरण के लिए किये गये इसके आवेदन में ऐसी हैसियत

से नामित कोई व्यक्ति आता है;

(ठ) "स्व-विनियामक संगठन" से मध्यवर्तियों का संगठन अभिप्रेत है जो प्रतिभूति बाजार के विशिष्ट खंड (सेगमेंट) का प्रतिनिधित्व कर रहा है और जो इन विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा सम्यक् रूप से मान्यताप्राप्त है, किन्तु इसमें स्टॉक एक्सचेंज अपवर्जित है।

(2) विनियमों में उपयोग किये गये और अपरिभाषित शब्दों और पदों, किन्तु अधिनियम में परिभाषित, के अर्थ अधिनियम में क्रमशः जो उनके लिए नियत हैं होंगे।

## अध्याय ॥

## स्व-विनियामक संगठन की मान्यता

स्व-विनियामक संगठन की मान्यता

3. (1) मध्यवर्तियों का कोई समूह या संगम, जो स्व-विनियामक संगठन के रूप में मान्यताप्राप्त होने की वांछा रखता है, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकृत कंपनी बना सकेगा और ऐसी कंपनी स्व विनियामक संगठन के रूप में मान्यता प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए बोर्ड को आवेदन कर सकेगी।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन ऐसी कंपनी द्वारा किये गये प्रत्येक आवेदन में ऐसी विशिष्टियाँ अंतर्विष्ट होंगी जो विनिर्दिष्ट की जायें, और इसके साथ स्व-विनियामक संगठन के शासी मानकों की प्रति और साधारणतः स्व-विनियामक संगठन के गठन और विशिष्टतया, -

(क) स्व-विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड, इसके गठन और प्रबंधतंत्र की शक्तियाँ और रीति जिसमें इसके कारबार का संव्यवहार किया जाना है ;

(ख) स्व-विनियामक संगठन के पदाधिकारियों की शक्तियों और कर्तव्यों ;

(ग) स्व-विनियामक संगठन में सदस्यों, अभिकर्ताओं के प्रवेश, सदस्यता के लिए उनकी अर्हताओं, और उससे या उसमें सदस्यों के अपवर्जन, निलंबन, निष्कासन और पुनःप्रवेश

संबंधी संगम ज्ञापन और अनुच्छेद की प्रति भी लगायी जायेगी ।

(3) उप-विनियम (1) के अधीन प्रत्येक आवेदन आवेदक की ओर से इसके निदेशक बोर्ड के प्राधिकार के अधीन इसके अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यपालक अधिकारी या पूर्णकालिक निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

(4) उप-विनियम (1) के अधीन प्रत्येक आवेदन बोर्ड को पहली अनुसूची के प्ररूप क में किया जायेगा और इसके साथ अप्रतिदेय आवेदन फीस लगायी जायेगी,

दूसरी अनुसूची के भाग क में यथा  
विनिर्दिष्ट, उसके भाग ख में विनिर्दिष्ट  
रीति में संदेय ।

पात्रता मानदंड

4.

बोर्ड विनियम 3 के अधीन प्रमाणपत्र  
प्रदान करने के लिए आवेदन पर विचार  
नहीं करेगा जब तक कि आवेदक  
निम्नलिखित शर्तों को पूरा नहीं कर  
लेता, अर्थात् :-

(क) आवेदक कंपनी है जिसे कंपनी  
अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अधीन  
लाइसेंस प्रदान किया गया है ;

(ख) आवेदक ने, इसके संगम ज्ञापन में,  
सदस्यों के प्रवेश और इसके मुख्य  
उद्देश्यों में से एक के तौर पर स्व-  
विनियामक संगठन के कृत्यों के निर्वहन  
को विनिर्दिष्ट किया है ;

(ग) आवेदक के पास एक करोड़ रुपये की  
न्यूनतम शुद्ध-मालियत है ;



(घ) आवेदक के पास पर्याप्त अवसंरचना है, इसे अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार स्व-विनियामक संगठन के रूप में इसके कृत्यों का निर्वहन करने में समर्थ बनाने के लिए ;

(ङ) विनियम 3 में निर्दिष्ट आवेदक और इसके निदेशकों के पास वृत्तिक सक्षमता, वित्तीय सुदृढ़ता और औचित्य तथा सत्यनिष्ठा की साधारण ख्याति है बोर्ड के समाधानप्रद रूप में ;

(च) न तो आवेदक, न ही आवेदक का कोई निदेशक प्रतिभूति बाजार से संबंधित किसी विधिक कार्यवाही में अंतर्वलित है, जिसका विनिधानकर्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता हो ;

(छ) न तो आवेदक, न ही किसी निदेशक को किसी समय पूर्व में किसी अपराध जिसमें नैतिक अधमता अंतर्वलित है या किसी आर्थिक अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो ;

(ज) आवेदक के पास, इसके नियोजन में, पर्याप्त वृत्तिक और अन्य सुसंगत अनुभव रखने वाले व्यक्ति हैं बोर्ड के समाधानप्रद रूप में;

(झ) आवेदक, अन्य सभी प्रकार से, प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं ;

(ञ) आवेदक को प्रमाणपत्र प्रदान करना विनिधानकर्ताओं और प्रतिभूति बाजार के हित में है ।

स्व-विनियामक संगठन के रूप में मान्यता प्रदान करना

5. (1)

यदि बोर्ड का समाधान हो जाता है, ऐसी जांच करने जो इस निमित्त आवश्यक हो और ऐसी अतिरिक्त जानकारी अभिप्राप्त करने, यदि कोई हो, जैसी यह अपेक्षा करे, के पश्चात् -

(क) कि मान्यता के लिए आवेदन करने वाले आवेदक के अनुच्छेद और शासी मानक ऐसी शर्तों के अनुरूप हैं जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किये जायें ;

(ख) कि आवेदक किन्हीं अन्य शर्तों का अनुपालन करने के लिए राजामंद है जो बोर्ड इन विनियमों के उद्देश्यों को कार्यान्वित करने के प्रयोजन के लिए अधिरोपित करे ; और,

(ग) कि आवेदक को स्व-विनियामक संगठन के तौर पर मान्यता प्रदान करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा ;

बोर्ड पहली अनुसूची के प्ररूप ख1 में आवेदक को स्व-विनियामक संगठन के तौर पर मान्यता प्रमाणपत्र ऐसे निबंधन और शर्तों के अधीन प्रदान कर सकेगा जैसा बोर्ड ठीक और उपयुक्त समझे।

(2) शर्तों जो बोर्ड आवेदक को स्व-विनियामक संगठन के तौर पर मान्यता प्रदान करने के लिए उप-विनियम (1) के अधीन विनिर्दिष्ट कर सकेगा में, अन्य विषयों के साथ, -

(i) स्व-विनियामक संगठन की सदस्यता के

लिए अर्हता ;

(ii) चार से अनधिक निदेशकों की ऐसी संख्या द्वारा स्व-विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड में बोर्ड के प्रतिनिधित्व जो बोर्ड इस निमित्त नामनिर्देशित कर सकेगा ; और

(iii) सदस्यों के लेखों को बनाये रखने और चार्टर्ड एकाउंटेंटों द्वारा उनकी लेखापरीक्षा जब कभी भी ऐसी लेखापरीक्षा बोर्ड द्वारा अपेक्षित है

संबंधी शर्तें सम्मिलित हो सकेंगी ।

(3) विनियम 3 के उप-विनियम (2) के खंडों (क), (ख) और (ग) में विनिर्दिष्ट विषयों में से किसी के संबंध में स्व-विनियामक संगठन के किन्हीं अनुच्छेदों को बोर्ड के पूर्विक लिखित अनुमोदन के सिवाय संशोधित नहीं किया जायेगा ।

आवेदन - अपेक्षाओं के  
अनुरूप

6.

प्रमाणपत्र के लिए कोई आवेदन, जो सभी

प्रकार से संपूर्ण नहीं है अथवा इन विनियमों और विशिष्टतया विनियम 3,4 और 5 की अपेक्षाओं या प्ररूप क में विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अनुरूप नहीं होता है बोर्ड द्वारा नामंजूर कर दिया जायेगा।

परंतु यह कि, किसी ऐसे आवेदन को नामंजूर करने से पूर्व, बोर्ड आवेदक को ऐसे आक्षेप दूर करने का अवसर देगा जो बोर्ड द्वारा उपदर्शित किये जायें, सुसंगत संसूचना की प्राप्ति की तारीख से 30 दिनों के भीतर, बोर्ड से।

परंतु यह और कि बोर्ड, पर्याप्त हेतुक दर्शाये जाने पर, आक्षेपों को दूर करने के समय को ऐसे अतिरिक्त समय तक बढ़ा सकेगा, 30 दिनों से अनधिक जो बोर्ड ठीक माने, आवेदक को ऐसे आक्षेप दूर करने में समर्थ बनाने के लिए।

जानकारी, स्पष्टीकरण देना 7. (1)  
और निजी प्रतिनिधित्व

बोर्ड आवेदक से ऐसी अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा कर सकेगा जो यह आवेदन की प्रक्रिया के

प्रयोजन के लिए आवश्यक माने ।

- (2) बोर्ड, यदि यह इस प्रकार वांछा करता है, आवेदक से मान्यता प्रमाणपत्र प्रदान करने के संबंध में निजी प्रतिनिधित्व के लिए प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से इसके समक्ष हाजिर होने की अपेक्षा कर सकेगा ।

प्रमाणपत्र की शर्तें और  
विधिमान्यता कालावधि

8. (1) विनियम 5 के अधीन प्रदान किया गया प्रमाणपत्र, निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा, अर्थात् :-

(क) आवेदक अधिनियम, लागू विनियमों के उपबंधों और बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों, निदेशों या परिपत्रों का अनुपालन करेगा ;

(ख) आवेदक द्वारा बोर्ड को दी गई कोई जानकारी या विशिष्टियाँ किसी तात्त्विक प्रकार से मिथ्या या भ्रामक नहीं होंगी;

(ग) जहाँ आवेदक द्वारा बोर्ड को दी गई किसी जानकारी या विशिष्टियों में, मान्यता के लिए आवेदन में या के संबंध में, इनके दिये जाने के पश्चात् परिवर्तन हुआ है, आवेदक तत्क्षण बोर्ड को लिखित रूप में तथ्य की सूचना देगा;

(2) मान्यता प्रमाणपत्र पाँच वर्षों की कालावधि के लिए विधिमान्य होगा।

#### प्रमाणपत्र का नवीकरण

9. (1)

कोई स्व-विनियामक संगठन इसको प्रदान किये गये मान्यता का नवीकरण अभिप्राप्त करने की वांछ करनेवाला, बोर्ड को मान्यता प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन पहली अनुसूची के प्ररूपक में करेगा।

(2)

ऐसा आवेदन प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की कालावधि की समाप्ति से पूर्व तीन मास के अन्यून नहीं किया जायेगा, विनियम 8 के उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट।

(3) उप-विनियम (1) के अधीन किये गये  
नवीकरण के लिए आवेदन,

(क) के साथ दूसरी अनुसूची में यथा  
विनिर्दिष्ट नवीकरण फीस लगायी  
जायेगी; और,

(ख) पर, जहां तक हो सके, उसी रीति में  
कार्यवाही की जायेगी मानो यह विनियम  
3 के अधीन नये प्रमाणपत्र को प्रदान  
करने के लिए किया गया आवेदन होता ।

(4) यदि बोर्ड का समाधान हो जाता है कि  
विनियम 5 के उप-विनियम (1) के अधीन  
स्व विनियामक संगठन को पहले ही  
प्रदान किया गया मान्यता प्रमाणपत्र या  
इस विनियम के अधीन पहले नवीकृत  
प्रमाणपत्र नवीकृत किये जाने के लिए  
योग्य है, बोर्ड पहली अनुसूची के प्ररूप  
ख2 में ऐसे प्रमाणपत्र का नवीकरण कर  
सकेगा ऐसे निबंधनों और शर्तों के  
अध्यधीन जैसा यह ठीक और उपयुक्त  
समझे।



प्रक्रिया जहाँ प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाता है 10. (1)

यदि विनियम 3 या विनियम 9 के अधीन किये गये आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, यथास्थिति, बोर्ड की राय है कि प्रमाणपत्र प्रदान या नवीकृत नहीं किया जाना चाहिये, यह, आवेदक को सुने जाने का उचित अवसर देने के पश्चात्, सभी प्रकार से पूर्ण ऐसे आवेदन की प्राप्ति के तीस दिनों की कालावधि के भीतर अथवा विनियम 7 के अधीन माँगी गयी अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण की प्राप्ति के तीस दिनों के भीतर आवेदन नामंजूर कर सकेगा।

(2) यदि कोई आवेदन उप-विनियम (1) के अधीन नामंजूर कर दिया जाता है, आवेदक को तत्क्षण तथ्य संसूचित किया जायेगा, ऐसी नामंजूरी के आधारों का कथन करते हुए।

प्रमाणपत्र प्रदान करने से इंकार का प्रभाव 11. (1)

विनियम 3 के उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदक जिसका प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन विनियम 10 के उप-विनियम (1) के अधीन नामंजूर कर दिया गया है स्व-विनियामक संगठन के रूप में

कोई क्रियाकलाप नहीं करेगा ।

- (2) विनियम 9 में निर्दिष्ट स्व विनियामक संगठन जिसका प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन बोर्ड द्वारा नामंजूर कर दिया गया है विनियम 10 के उप-विनियम (2) के अधीन बोर्ड से संसूचना की प्राप्ति की तारीख से ही स्व-विनियामक संगठन के रूप में कोई क्रियाकलाप करना छोड़ देगा ।
- (3) यदि बोर्ड का समाधान हो जाता है कि ऐसा करना विनिधानकर्ताओं के हितों में है, यह उप-विनियम (2) के अधीन निर्दिष्ट स्व-विनियामक संगठन को आवेदन के लंबित रहने के दौरान या प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की कालावधि के दौरान इसके द्वारा पहले ही से शुरू किये गये या जिम्मा लिये गये कृत्यों या बाध्यताओं को पूरा करने की अनुज्ञा दे सकेगा ।
- (4) बोर्ड विनिधानकर्ताओं के हितों का संरक्षण करने के लिए, स्व-विनियामक

संगठन के कृत्यों संबंधी अभिलेखों, दस्तावेजों या रिपोर्टों के अंतरण के विषय में निदेश जारी कर सकेगा, जिसका प्रमाणपत्र प्रदान करने या के नवीकरण के लिए आवेदन नामंजूर कर दिया गया है ।

- (5) बोर्ड, विनिधानकर्ताओं के हितों का संरक्षण करने के लिए, किसी व्यक्ति को उप-विनियम (4) में निर्दिष्ट संगठन संबंधी अभिलेखों, दस्तावेजों या रिपोर्टों का भारसाधन लेने के लिए नियुक्त कर सकेगा और इस प्रयोजन के लिए ऐसी नियुक्ति के निबंधन और शर्तें भी अवधारित कर सकेगा ।

## अध्याय III

## स्व-विनियामक संगठन की संरचना और कृत्य

निदेशक बोर्ड की संरचना 12. (1) स्व-विनियामक संगठन के संगम अनुच्छेद में निम्नलिखित के लिए उपबंध होगा :-

- (क) स्व-विनियामक संगठन का निदेशक बोर्ड होगा और निदेशकों की बहुसंख्या स्वतंत्र निदेशकों की होगी ।
- (ख) स्वतंत्र निदेशकों से किन्हीं अर्हतादायी शेयरों को धारण करना अपेक्षित नहीं होगा ।
- (ग) निदेशक बोर्ड नौ निदेशकों से मिलकर बनेगा जिनमें से पाँच निदेशक बोर्ड द्वारा नामनिर्देशित होंगे और शेष चार स्व-विनियामक संगठन के सदस्यों द्वारा निर्वाचित किये जायेंगे ।
- (घ) स्व-विनियामक संगठन के कामकाज का साधारण अधीक्षण, निदेशन और प्रबंधन इसके निदेशक बोर्ड में निहित होगा, जो समस्त शक्तियों का प्रयोग कर सकेगा और समस्त कार्य और बातें कर सकेगा जो स्व-विनियामक संगठन द्वारा प्रयोग की जा सकेंगी ।

(इ) अध्यक्ष होगा, जो स्वतंत्र वृत्तिक होगा, निदेशक बोर्ड द्वारा नियुक्त, बोर्ड के पूर्विक अनुमोदन से ।

(च) अध्यक्ष स्व-विनियामक संगठन के दैनंदिन प्रशासन और निदेशक बोर्ड के विनिश्चयों के कार्यान्वित करने के लिए उत्तरदायी होगा ।

(छ) निदेशक बोर्ड इन विनियमों के प्रयोजनों का संपादन करने के लिए समितियों जिनमें अनुशासन समिति, प्रतिच्छादन समिति, माध्यस्थम् समिति या पारिश्रमिक समिति सम्मिलित हैं की स्थापना कर सकेगा ।

परंतु यह कि इस विनियम के अधीन गठित समितियाँ पूर्णतः अन्य व्यक्तियों से या अंशतः निदेशकों और अंशतः अन्य व्यक्तियों से गठित हो सकेंगी।

परंतु यह और कि प्रत्येक ऐसी समिति के सदस्यों की बहुसंख्या स्वतंत्र होगी ।

(ज) निदेशक बोर्ड के पदाधिकारी अपने पद त्याग

देंगे, जब बोर्ड अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (4) के खंड (ग) के अधीन आदेश पारित करता है ।

(झ) स्व-विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड को पुनर्गठित किया जायेगा जब कभी बोर्ड द्वारा अपेक्षित हो ।

स्व विनियामक संगठन की  
सदस्यता

13. (1)

इन विनियमों के प्रारंभ के पश्चात्, ऐसे मध्यवर्तियों के प्रति लागू संबंधित विनियमों के अधीन बोर्ड के पास मध्यवर्ती के तौर पर रजिस्ट्रीकरण या रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए कोई आवेदन, किसी आवेदक के मामले में जो स्व विनियामक संगठन का सदस्य है या जो स्व विनियामक संगठन का सदस्य होना चाहता है, केवल स्व विनियामक संगठन जिसका वह सदस्य है के माध्यम से किया जायेगा, विनिर्दिष्ट रीति में।

(2)

उप-विनियम (1) के अधीन आवेदन स्व विनियामक संगठन द्वारा बोर्ड को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने या के इंकार के लिए इसकी सिफारिश के साथ इसकी प्राप्ति की तारीख से 30 दिनों के अपश्चात् अग्रेषित किया जायेगा।

(3)

स्व-विनियामक संगठन या तो बोर्ड द्वारा मान्यता प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के इंकार के लिए इसकी सिफारिश के कारण भी देगा।

स्व-विनियामक संगठन के  
कृत्य और बाध्यताएँ

14. (1)

स्व-विनियामक संगठन सदैव बोर्ड के निदेशों का

पालन करेगा ।

- (2) स्व-विनियामक संगठन विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण और विनिधानकर्ताओं या इसके सदस्यों के शिक्षण के लिए उत्तरदायी होगा और इसके सदस्यों द्वारा प्रतिभूति विधियों के पालन को सुनिश्चित करेगा ।
- (3) स्व-विनियामक संगठन इसके सदस्यों के लिए आचरण के मानक विनिर्दिष्ट करेगा और इसके सदस्यों द्वारा इनके कार्यान्वयन के लिए भी उत्तरदायी होगा ।
- (4) स्व-विनियामक संगठन इसके सदस्यों का निरीक्षण और लेखापरीक्षा संचालित करेगा, नियमित आधार पर, स्वतंत्र लेखापरीक्षकों के माध्यम से ।
- (5) स्व-विनियामक संगठन बोर्ड को इसकी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।
- (6) स्व-विनियामक संगठन इसके सभी सदस्यों और सदस्यता के लिए आवेदनों हेतु निष्पक्ष और पारदर्शी रीति में व्यवहार करेगा ।



- (7) स्व-विनियामक संगठन इन विनियमों के प्रयोजनों का संपादन करने के लिए इसके सदस्यों से प्रवेश और सदस्यता फीस एकत्र कर सकेगा।
- (8) स्व-विनियामक संगठन इसके सदस्यों में से किसी द्वारा अधिनियम, नियमों, विनियमों के उपबंधों, निदेशों, परिपत्रों या मार्गदर्शक सिद्धांतों के अतिक्रमणों की सूचना बोर्ड को तत्परता से देगा।
- (9) स्व-विनियामक संगठन इसके सदस्यों, अभिकर्ताओं आदि के लिए प्रशिक्षण और प्रमाणन परीक्षण संचालित करेगा।
- (10) स्व-विनियामक संगठन इसके सदस्यों या अभिकर्ताओं आदि के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभूति बाजार विनियानकर्ताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम संचालित करेगा।
- (11) स्व-विनियामक संगठन इसके सदस्यों के बीच सर्वोत्तम कारबार पद्धतियों की पुरःस्थापना के लिए प्रयास करेगा।

(12) स्व-विनियामक संगठन अधिकतम सद्भावपूर्वक कार्य करेगा और इसके कृत्यों के संचालन में हितविरोध से बचेगा ।

(13) स्व-विनियामक संगठन कंपनी शासन के मानकों का अनुपालन करेगा जैसा सूचीबद्ध कंपनियों के लिए लागू है ।

(14) स्व-विनियामक संगठन ऐसे अन्य कृत्यों और बाध्यताओं का निर्वहन कर सकेगा जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये, समय-समय पर।

स्व विनियामक संगठन के 14. (1) शासी मानक

स्व विनियामक संगठन, बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के अधीन, अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों से संगत शासी मानक और अनुच्छेद बना सकेगा।

(2) विशिष्टतया, और पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, शासी मानक या अनुच्छेद :-

(i) स्व विनियामक संगठन में सदस्यों के

प्रवेश और को हटाये जाने के लिए  
पात्रता मानदंड;

- (ii) बोर्ड को और इसके सदस्यों को  
जानकारी देने की रीति और  
आवधिकता;
- (iii) सदस्यों के बीच और / या सदस्यों तथा  
उनके संघटकों के बीच विवादों के  
समाधान के लिए माध्यस्थम् व्यवस्था;
- (iv) शासी मानकों या अनुच्छेदों जिनमें स्व  
विनियामक संगठन से सदस्यों के  
निलंबन या निष्कासन के उपबंध  
सम्मिलित हैं का भंग करनेवाले सदस्य के  
खिलाफ कार्यवाही के लिए प्रक्रिया;
- (v) आंतरिक नियंत्रण मानक जिनमें स्व  
विनियामक संगठन द्वारा इसके सदस्यों  
के निरीक्षण, लेखापरीक्षा, पुनरीक्षण,  
अनुश्रवण और निगरानी के लिए प्रक्रिया  
सम्मिलित है;
- (vi) कारबार के संचालन में इसके सदस्यों के

लिए मानदंड विनिर्दिष्ट करनेवाली आचार  
संहिता;

(vii) समितियों के पदाधिकारियों और सदस्यों  
के निर्वाचन के संचालन के लिए प्रक्रिया;

(viii) कारबार के संबंध में ऐसी जानकारी या  
स्पष्टीकरण देने और ऐसे दस्तावेज पेश  
करने की सदस्यों की बाध्यता जैसी  
निदेशक बोर्ड अपेक्षा करे;

(ix) स्व विनियामक संगठन द्वारा इसके सदस्य  
के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की  
रीति;

(x) वार्षिक रिपोर्ट की विषय-वस्तु और  
रूपविधान;

(xi) निदेशक बोर्ड की बैठकों के संचालन, कोरम  
आदि के लिए प्रक्रिया;

(xii) स्व विनियामक संगठन के लेखाओं या  
अभिलेखों को बनाये रखने की रीति;  
और,

- (xiii) इसकी कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं जिसमें नीतिगत पहल, प्रमाणन में प्रगति, प्रविष्ट सदस्यों की संख्या और सदस्यों के खिलाफ की गयी अनुशासनिक कार्रवाई, यदि कोई हो सम्मिलित हैं के बारे में मासिक आधार पर बोर्ड को रिपोर्ट करने की अपेक्षाओं

के लिए उपबंध कर सकेंगे।

- (3) शासी मानक या अनुच्छेद यह भी उपबंध करेंगे कि शासी मानकों में से किसी का उल्लंघन स्व विनियामक संगठन के संबंधित सदस्य को निम्नलिखित दण्डों में से एक या अधिक के लिए दायी बना देगा, अर्थात्:-

- (i) शेरों का समपहरण;
- (ii) सदस्यता से निष्कासन;
- (iii) विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए सदस्यता से निलंबन;
- (iv) समान प्रकृति की कोई अन्य शास्ति जिसमें धन का भुगतान अंतर्वर्तित नहीं

है।

- (4) जहाँ बोर्ड ऐसा करने के लिए इसे समीचीन मानता है, यह, लिखित आदेश द्वारा, स्व विनियामक संगठन को किन्हीं शासी मानकों को बनाने या उनमें से किसी का संशोधन या प्रतिसंहरण करने का निदेश दे सकेगा ऐसी कालावधि के भीतर जैसी यह इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे।
- (5) यदि स्व विनियामक संगठन विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर ऐसे आदेश का अनुपालन करने में असफल रहता है या की उपेक्षा करता है, तो बोर्ड शासी मानक बना सकेगा, संशोधित या प्रतिसंहृत कर सकेगा या तो आदेश में विनिर्दिष्ट प्ररूप में या ऐसे उपांतरणों के साथ जैसा बोर्ड ठीक समझे।

## अध्याय IV

## निरीक्षण और लेखापरीक्षा

निरीक्षण करने का बोर्ड 16.  
का अधिकार

(1) जहाँ बोर्ड को ऐसा करना प्रतीत होता है, यह उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी के लिए स्व विनियामक संगठन की लेखा बहियों, अन्य अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए निरीक्षण प्राधिकारी के तौर पर एक या अधिक व्यक्तियों को नियुक्त कर सकेगा।

(2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नानुसार होंगे, अर्थात्: -

(क) सुनिश्चित करना कि अधिनियम, विनियमों के उपबंधों, बोर्ड द्वारा जारी निदेशों और परिपत्रों का अनुपालन किया जा रहा है;

(ख) स्व विनियामक संगठन के क्रियाकलापों से संबंधित किसी मामले पर सदस्यों, विनिधानकर्ताओं, या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों की जाँच करना; या,

(ग) स्व प्रेरणा से जाँच करना, स्व विनियामक संगठन के कामकाज में प्रतिभूति कारबार के

## हित में या विनिधानकर्ताओं के हित में।

### निरीक्षण की प्रक्रिया

17 (1) विनियम 16 के अधीन कोई निरीक्षण करने से पूर्व, बोर्ड उस प्रयोजन के लिए स्व विनियामक संगठन को युक्तियुक्त सूचना देगा।

(2) उप-विनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहाँ बोर्ड का समाधान हो जाता है कि विनिधानकर्ताओं के हित में या लोक हित में, कोई ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए, यह लिखित आदेश द्वारा, निदेश दे सकेगा कि स्व विनियामक संगठन के कामकाज का निरीक्षण ऐसी सूचना के बिना किया जाए।

(3) बोर्ड द्वारा सशक्त किये जाने पर, निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण करेगा और स्व विनियामक संगठन जिसके खिलाफ निरीक्षण किया जा रहा है विनियम 18 के अधीन यथा उपबंधित इसकी बाधाओं का निर्वहन करने के लिए आबद्ध होगा।

### बोर्ड द्वारा निरीक्षण पर स्व विनियामक संगठन की बाध्यताएँ

(1) स्व विनियामक संगठन के अध्यक्ष, प्रत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी, जिसका निरीक्षण किया जा रहा है का कर्तव्य होगा कि वे निरीक्षण प्राधिकारी को या उसके द्वारा प्राधिकृत



किसी व्यक्ति को, उनकी अभिरक्षा या नियंत्रण में रखी ऐसी बहियों, लेखा और अन्य दस्तावेज पेश करें और बोर्ड को प्रतिभूति बाजार में स्व विनियामक संगठन के क्रियाकलापों संबंधी विवरण और जानकारी ऐसे समय के भीतर दें जैसी बोर्ड अपेक्षा करे।

- (2) स्व विनियामक संगठन निरीक्षण प्राधिकारी को या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को स्व विनियामक संगठन या इसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगित परिसरों में युक्तियुक्त पहुँच रखने की अनुज्ञा देगा और स्व विनियामक संगठन या किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में रखी किन्हीं बहियों, अभिलेखों, दस्तावेजों और कंप्यूटर आँकड़ों की परीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त सुविधा भी देगा और दस्तावेजों या अन्य सामग्रियों की प्रतियाँ भी उपलब्ध करायेगा जो, निरीक्षण प्राधिकारी की राय में सुसंगत हैं।

- (3) निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण के दौरान स्व विनियामक संगठन के अध्यक्ष, निदेशक, किसी सदस्य और कर्मचारी के कथनों की परीक्षा करने या को अभिलिखित करने का हकदार होगा।

- (4) स्व विनियामक संगठन के अध्यक्ष, प्रत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वे निरीक्षण प्राधिकारी को निरीक्षण के संबंध में समस्त सहायता दें, जिसे स्व विनियामक संगठन युक्तियुक्त रूप में देना प्रत्याशित करे।

बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना 19. निरीक्षण प्राधिकारी, यथा संभव शीघ्र, बोर्ड को निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

लेखापरीक्षक की नियुक्ति 20. (1) ऊपर अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, बोर्ड स्व विनियामक संगठन की लेखा बहियों या कामकाज के निरीक्षण के लिए अहर्ताप्राप्त लेखापरीक्षक नियुक्त कर सकेगा।

परंतु यह कि इस प्रकार नियुक्त लेखापरीक्षक के पास विनियम 16 में यथा उल्लिखित निरीक्षण प्राधिकारी की वही शक्तियाँ होंगी और विनियम 18 में उल्लिखित स्व विनियामक संगठन की बाध्यताएँ इस विनियम के अधीन निरीक्षण के प्रति लागू होंगी।

(2) बोर्ड ऐसी लेखापरीक्षा या निरीक्षण के व्ययों की

वसूली करने का हकदार होगा जो इसके द्वारा उपगत की जाए, जिसके अंतर्गत लेखापरीक्षकों को संदत्त फीस सम्मिलित है, संबद्ध स्व विनियामक संगठन से।

**कालिक विवरणियाँ  
मँगाने या जाँच किये  
जाने का निदेश देने की  
बोर्ड की शक्ति**

20. (1) प्रत्येक स्व विनियामक संगठन बोर्ड को इसके कामकाज से संबंधित ऐसी कालिक विवरणियाँ देगा जैसा विनिर्दिष्ट किया जाए।
- (2) प्रत्येक स्व विनियामक संगठन और उसका प्रत्येक सदस्य ऐसी लेखा बहियों और अन्य दस्तावेजों को ऐसी कालावधियों के लिए बनाये रखेगा और परिरक्षित करेगा जैसा बोर्ड संबद्ध स्व विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड से परामर्श के पश्चात्, व्यापार के हितों में या लोक हित में विनिर्दिष्ट कर सकेगा और ऐसी लेखा बहियाँ और अन्य दस्तावेज बोर्ड द्वारा सभी युक्तियुक्त समयों पर निरीक्षण के अध्वधीन होंगे।
- (3) उप-विनियम (1) और (2) में अंतर्विष्ट उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, यदि बोर्ड का समाधान हो जाता है कि ऐसा करना व्यापार के

हितों में या लोक हित में है, यह, आदेश द्वारा,  
लिखित रूप में,

(क) स्व विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड या  
उसके किसी सदस्य से स्व विनियामक  
संगठन के अथवा स्व विनियामक संगठन के  
संबंध में सदस्य के कामकाज से संबंधित  
ऐसी जानकारी या स्पष्टीकरण लिखित रूप  
में देने की अपेक्षा कर सकेगा जैसा बोर्ड  
अपेक्षित करे; या

(ख) स्व विनियामक संगठन के कामकाज  
अथवा स्व विनियामक संगठन के संबंध में  
स्व विनियामक संगठन के किन्हीं सदस्यों के  
कामकाज के संबंध में विहित रीति में जाँच  
करने के लिए एक या अधिक व्यक्ति नियुक्त  
कर सकेगा और ऐसी जाँच के परिणाम की  
रिपोर्ट बोर्ड को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत  
कर सकेगा जैसा आदेश में विनिर्दिष्ट किया  
जाए या, स्व विनियामक संगठन के सदस्यों  
में से किसी के कामकाज के संबंध में जाँच  
के मामले में निदेशक बोर्ड को जाँच करने  
और बोर्ड को इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का  
निदेश दे सकेगा।

(4) जहाँ स्व विनियामक संगठन के कामकाज के या स्व विनियामक संगठन के संबंध में इसके सदस्यों में से किसी के कामकाज के संबंध में जाँच उप-विनियम (3) के अधीन की गयी है, -

(क) स्व विनियामक संगठन का अध्यक्ष, प्रत्येक निदेशक, प्रबंधक, सचिव, या अन्य अधिकारी

(ख) ऐसे स्व विनियामक संगठन का प्रत्येक सदस्य

(ग) यदि स्व विनियामक संगठन का सदस्य फर्म है, फर्म का प्रत्येक भागीदार, प्रबंधक, सचिव या अन्य अधिकारी; और,

(घ) प्रत्येक अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों का निःपक्ष जिसकी खंड (क), (ख) या (ग) में उल्लिखित व्यक्तियों में से किसी के साथ कारबार के दौरान व्यापार रहे हों चाहे प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः;

जाँच करनेवाले प्राधिकारी के समक्ष ऐसी जाँच

की विषयवस्तु के संबंध में या से संबंधित उसकी अभिरक्षा या शक्ति में रखी समस्त ऐसी लेखा बहियाँ, और अन्य दस्तावेज पेश करने के लिए आबद्ध होगा और प्राधिकारी को ऐसा विवरण या जानकारी भी देगा जैसी वह अपेक्षा करे ऐसे समय के भीतर जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

## अध्याय V

## व्यतिक्रम की दशा में कार्यवाई

सदस्य के खिलाफ  
अनुशासनिक कार्यवाई  
करने की निदेशक बोर्ड  
की बाध्यता यदि बोर्ड  
द्वारा इस प्रकार निदिष्ट  
हो

22. (1) विनियम 21 के अधीन की गयी जाँच की रिपोर्ट प्राप्त करने के पश्चात्, बोर्ड ऐसी कार्यवाई कर सकेगा जैसी यह समुचित समझे और, विशिष्टतया, स्व विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड को अपचारी सदस्य के खिलाफ ऐसी अनुशासनिक कार्यवाई करने का निदेश दे सकेगा, जिसके अंतर्गत हटाया जाना, निलंबन या समान प्रकृति का अन्य कोई दंड जिनमें आर्थिक शास्ति का उद्ग्रहण अंतर्बलित नहीं है, सम्मिलित है, जैसा कि इसके द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए और तब, संबद्ध स्व विनियामक संगठन के अनुच्छेदों या शासी मानकों में अंतर्विष्ट के प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, स्व विनियामक संगठन का निदेशक बोर्ड बोर्ड के निदेशों को प्रभावी करेगा और किसी प्रकार से ऐसे निदेशों के अनुसरण में की गयी कार्यवाई का किसी प्रकार लघुकरण, प्रतिसंहरण या उपांतरण नहीं करेगा, बोर्ड के पूर्विक लिखित अनुमोदन के बिना।

- (2) बोर्ड या तो स्वप्रेरणा से या संबद्ध सदस्य के अभ्यावेदन पर, उप-विनियम (1) के अधीन जारी

इसके निदेशों में से किसी का उपांतरण कर सकेगा या को वापस ले सकेगा, यदि इसका समाधान हो जाता है कि ऐसा करने के लिए पर्याप्त आधार हैं।

### मान्यता वापस लेना

23. (1) यदि बोर्ड की यह राय है कि इन विनियमों के उपबंधों के अधीन स्व विनियामक संगठन को प्रदत्त मान्यता को, व्यापार के हित में या लोक हित में, वापस लेना चाहिए, यह स्व विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड को प्ररूप 'ग' में एक लिखित सूचना तामील कर सकेगा इससे कारण बताने की अपेक्षा करते हुए कि सूचना में कथित कारणों के लिए मान्यता वापस क्यों नहीं ली जानी चाहिए।
- (2) जहाँ सूचना उप-विनियम (1) के अधीन जारी की जाती है, बोर्ड, स्व विनियामक संगठन के निदेशक बोर्ड को मामले में सुने जाने का अवसर देने के पश्चात्, आदेश पारित करते हुए, स्व विनियामक संगठन को प्रदत्त मान्यता वापस ले सकेगा और तब विनियम 11 के उप-विनियम (3), (4) और (5) लागू होंगे मानों मान्यता के नवीकरण के लिए स्व विनियामक संगठन का आवेदन विनियम 10 के अधीन नामंजूर हो गया हो।



(3) बोर्ड संबद्ध स्व विनियामक संगठन को ऐसा आदेश तत्परता से संसूचित करेगा।

(4) उप-विनियम (2) के अधीन पारित आदेश की प्राप्ति पर, स्व विनियामक संगठन स्व विनियामक संगठन के तौर पर किसी क्रियाकलाप को करने के लिए प्रविरत हो जायेगा और ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जैसे विनियम 11 के उप-विनियम (3), (4) या (5) के साथ पठित उप-विनियम (2) के अधीन बोर्ड द्वारा जारी किये जा सकेंगे, यथास्थिति।

अतिक्रमण की दशा में 24.  
कार्रवाई

यदि कोई स्व विनियामक संगठन, उसका कोई पदाधिकारी या सदस्य अधिनियम या इन विनियमों के अधीन प्रावधानों का अतिक्रमण करता है, तो यह -

(क) अधिनियम के अध्याय VI के अधीन कार्रवाई;

(ख) अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (3) के अधीन कार्रवाई;

(ग) अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 4 और धारा

11ख के अधीन कार्रवाई;

(घ) अधिनियम की धारा 24 के अधीन कार्रवाई;

(ङ) अधिनियम के अधीन अनुज्ञेय ऐसी अन्य कार्रवाई  
जो मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में  
समुचित समझी जा सकेगी;

के लिए दायी हो सकेगा।

**प्रथम अनुसूची****प्रारूप****प्रारूप क****(विनियम 3 और 9 देखें)**

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन) विनियम, 2003 के विनियम 3 के अधीन स्व विनियामक संगठन की मान्यता / नवीकरण के लिए आवेदन**

प्रति

.....

.....

**विषय : भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन) विनियम, 2003 के विनियम 3 के अधीन स्व विनियामक संगठन की मान्यता / नवीकरण के लिए आवेदन**

महोदय,

मैं, उक्त प्रयोजन के लिए सम्यक् रूप से प्राधिकृत होते हुए, ..... (आवेदक का नाम और पता), उक्त विनियमों के प्रयोजन के लिए मान्यता / नवीकरण के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन) विनियम, 2003 के विनियम 2(i) में यथापरिभाषित स्व विनियामक संगठन के तौर पर मान्यताप्राप्त होने के लिए पात्र कंपनी, की ओर से एतद्वारा आवेदन करता हूँ/करती हूँ।

2. स्व विनियामक संगठन के ज्ञापन और संगम अनुच्छेद की चार प्रतियाँ तथा शासी मानकों की चार प्रतियाँ संलग्न हैं, आवेदक के बोर्ड संकल्प तारीख \_\_\_\_\_ के साथ अधोहस्ताक्षरी को इसकी ओर से यह आवेदन करने के लिए प्राधिकृत करते हुए।
3. इस प्ररूप के परिशिष्ट में अपेक्षित सभी आवश्यक जानकारी संलग्न है। कोई अतिरिक्त जानकारी दी जायेगी जब भी भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा माँगी जाए।
4. मैं स्व विनियामक संगठन की ओर से एतद्वारा उक्त विनियम के विनियम 4 की अपेक्षाओं और ऐसी अन्य शर्तों और निबंधनों के अनुपालन का वचन देता/देती हूँ जैसी कि मान्यता प्रमाणपत्र में अंतर्विष्ट या तत्पश्चात् विनिर्दिष्ट या अधिरोपित की जाए।
5. .... रु. के लिए डिमांड ड्राफ्ट सं. .... तारीख..... संलग्न है।

भवदीय

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

नाम और पदनाम सहित

(\_\_\_\_\_ <आवेदक का नाम> की ओर से)

**प्ररूप 'क' के उपाबंध****भाग I - साधारण**

1. आवेदक का नाम
2. पता
3. स्थापना की तारीख

**भाग II - सदस्यता**

1. आवेदन के समय सदस्यों की संख्या कथित करें। यह भी विनिर्दिष्ट करें कि कितने सक्रिय हैं।
2. क्या आप नये सदस्यों की भर्ती करने से पहले किन्हीं न्यूनतम अहर्ताओं और अनुभव के लिए आग्रह करते हैं? यदि हाँ तो ब्यौरे दें।
3. क्या आप अपने सदस्य से कोई ग्रहण / प्रवेश फीस संग्रहित करते हैं? यदि हाँ, तो कितना?

**भाग III - निदेशक बोर्ड**

1. आपके निदेशक बोर्ड की वर्तमान सदस्य-संख्या क्या है? निदेशक बोर्ड के गठन, प्रबंधन शक्तियों, निर्वाचन और पदावधि, और रीति जिसमें इसके कारबार का संव्यवहार किया जाता है के ब्यौरे दें।
2. वहाँ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के कितने प्रतिनिधि हैं? उनके नाम दें।
3. क्या आपके पास अनुशासन समिति, छानबीन समिति इत्यादि की नियुक्ति के लिए कोई व्यवस्था है? यदि हाँ, उनकी नियुक्ति की पद्धति, पदावधि, शक्तियों और कृत्यों के ब्यौरे दें।
4. आपके संगठन के पदाधिकारियों के पदनाम, शक्तियाँ और कर्तव्य दें। क्या इन पदाधिकारियों में से कोई स्व विनियामक संगठन में वेतनभोगी है? यदि हाँ, तो ब्यौरे दें जैसे उनकी नियुक्ति की रीति, पदावधि और पारिश्रमिक के ब्यौरे।

**भाग IV - विविध**

1. क्या आपके पास सदस्यों के बीच और/या सदस्यों तथा उनके ग्राहकों के बीच विवादों के माध्यस्थम् के लिए कोई तंत्र है? ब्यौरे दें।
2. क्या आप अपने सदस्यों से प्रवेश फीस प्रभारित करते हैं? यदि हाँ, तो ब्यौरे दें।

## प्रत्यक्ष रूप से।

## भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन) विनियम, 2003

( विनियम 5 देखें )

## मान्यता प्रमाणपत्र

1. इन विनियमों की धारा 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बोर्ड इन विनियमों और उपाबंध में उल्लिखित शर्तों के अनुसार स्व विनियामक संगठन के तौर पर कार्य करने के लिए मेसर्स \_\_\_\_\_ को एतद्वारा मान्यता प्रमाणपत्र सं. .... प्रदान करता है।
2. स्व विनियामक संगठन के लिए मान्यता कूट ..... है।
3. यह प्रमाणपत्र ..... से ..... तक वैध रहेगा और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन), 2003 के विनियम 9 में विनिर्दिष्ट अनुसार नवीकृत किया जा सकेगा।

स्थान :

आदेश द्वारा

तारीख :

हस्ता-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

के लिए और की ओर से

टिप्पणः - मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन इस प्रकार किया जायेगा कि बोर्ड के पास कालावधि के अवसान से कम से कम तीन महीने पहले पहुँच सके।

**प्ररूप ख2**

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन) विनियम, 2003**

**( विनियम 9(4) देखें )**

**मान्यता के नवीकरण का प्रमाणपत्र**

1. विनियम 9 के उप विनियम (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बोर्ड स्व विनियामक संगठन के तौर पर कार्य करने के लिए, मेसर्स \_\_\_\_\_ को जारी, मान्यता प्रमाणपत्र सं. \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_, को \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ वर्षों की अतिरिक्त कालावधि के लिए एतद्द्वारा नवीकृत करता है।
2. स्व विनियामक संगठन के लिए मान्यता कूट \_\_\_\_\_ है।

स्थान :

आदेश द्वारा

तारीख :

ह/-

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड**

**के लिए और की ओर से**

**टिप्पण: -** मान्यता के अतिरिक्त नवीकरण के लिए आवेदन इस प्रकार किया जायेगा कि बोर्ड के पास इस प्रमाणपत्र की विधिमान्यता कालावधि के अवसान से कम से कम तीन महीने पहले पहुँच सके।



## प्रत्यक्ष

(विनियम 23 देखें)

रजिस्ट्रीकरण वापस लेने के प्रति कारण बताओ सूचना

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

मुंबई, .....2003

प्रति,

---



---

(स्व विनियामक संगठन का नाम और पता)

आपको एतद्वारा \_\_\_\_\_ (अधिकारी का पदनाम) के कार्यालय में  
 \_\_\_\_\_ को या से पहले कारण बताने के लिए बुलाया जाता है कि भारतीय  
 प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन) विनियम, 2003 के विनियम 5 के  
 अधीन आपको प्रदत्त मान्यता प्रमाणपत्र सं. \_\_\_\_\_, इस नीचे दिये गये कारणों के  
 लिए वापस क्यों नहीं लिया जाना चाहिए:

.....  
 .....

अधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम

## दूसरी अनुसूची

## भाग 'क'

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्व विनियामक संगठन) विनियम, 2003

[देखें विनियम 3 (4) और 9 (3)]

फीस

भाग क

फीस के रूप में संदेय राशि

(रु.) \_\_\_\_\_

आवेदन फीस	25, 000
प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए मान्यता फीस	5, 00, 000
नवीकरण फीस	3, 00, 000

## भाग ख

ऊपर विनिर्दिष्ट फीस मुंबई में संदेय 'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड' के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में अदा की जायेगी।

\*\*\*\*\*

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/69 जैडबी/2003/असा.]

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA****NOTIFICATION**

Mumbai, the 19th February, 2004

**Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory Organizations)  
Regulations, 2004**

**F. No. SEBI/LAD/DOP/3348/2004.**—In exercise of the powers conferred by Section 30 read with clause (d) of Sub-section (2) of Section 11 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations, namely:—

**Chapter – I**

**Preliminary**

**Short title and commencement**

1. (1) These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory Organizations) Regulations, 2004.
- (2) These Regulations shall come into force on such date as may be specified by the Board:

**Provided that** different dates may be specified for different provisions of these regulations and any reference in any such provision to the commencement of these regulations shall be construed as a reference to the commencement of that provision.

### **Definitions**

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "Board" means the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Act;
- (c) "agent" means any person who is associated with securities market and who conducts the business of distribution of securities products;
- (d) "certificate" means a certificate of recognition granted to a Self Regulatory Organization by the Board under sub-regulation (1) of regulation 5 and includes a certificate renewed under regulation 9;

- (e) "company" means a company which has been granted license under section 25 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (f) "economic offence" means an offence to which the Economic Offences (Inapplicability of Limitation) Act, 1974 (12 of 1974), is applicable for the time being and includes an offence under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and Depositories Act, 1996;
- (g) "governing norms" mean the governing norms of a Self Regulatory Organization made in accordance with sub-regulation (1) of regulation 15;
- (h) "intermediary" means any person who is registered with the Board under section 12 of the Act;
- (i) "member" means an intermediary who has been admitted as a member of a Self Regulatory Organization and includes an agent who has been so admitted;
- (j) "office bearer" in relation to a Self Regulatory Organization means its Chairman, Managing Director, any whole time director or Chief Executive Officer, by whatever name called, and includes any person named as such by the Self Regulatory Organization in its application for grant or renewal of recognition made under these regulations;

(k) "Self Regulatory Organization" means an organization of intermediaries which is representing a particular segment of the securities market and which is duly recognised by the Board under these regulations, but excludes a stock exchange.

(2) Words and expressions used and not defined in the regulations, but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

## **Chapter II**

### **Recognition of Self Regulatory Organization**

#### **Recognition of Self Regulatory Organization**

3. (1) Any group or association of intermediaries, which is desirous of being recognized as a Self Regulatory Organization, may form a company registered under section 25 of the Companies Act, 1956 and such company may make an application to the Board for grant of certificate of recognition as a Self Regulatory Organization.

(2) Every application made by such company under sub-regulation (1) shall contain such particulars as may be specified and shall be accompanied by a copy of the governing norms of Self Regulatory Organization and also a copy of the

memorandum and articles of association relating in general to the constitution of the Self Regulatory Organization and in particular, to –

- (a) Board of Directors of Self Regulatory Organization, its constitution and powers of management and the manner in which its business would be transacted;
- (b) the powers and duties of the office bearers of Self Regulatory Organization;
- (c) the admission into the Self Regulatory Organization of members, agents, their qualifications for membership, and the exclusion, suspension, expulsion and readmission of members therefrom or thereinto;

(3) Every application under sub-regulation (1) shall be signed on behalf of the applicant under authority of its Board of Directors by its Chairman, Managing Director, Chief Executive Officer or whole time director.

(4) Every application under sub-regulation (1) shall be made to the Board in Form A of the first schedule and shall be accompanied by a non-refundable application fee, as specified in Part A of the second schedule, to be paid in the manner specified in Part B thereof.

**Eligibility criteria**

4. The Board shall not consider an application for grant of a certificate under regulation 3 unless the applicant satisfies the following conditions, namely:-
- (a) the applicant is a company which has been granted license under section 25 of Companies Act, 1956;
  - (b) the applicant has, in its memorandum of association, specified admission of members and discharging the functions of Self Regulatory Organization as one of its main objects;
  - (c) the applicant has a minimum networth of one crore rupees;
  - (d) the applicant has adequate infrastructure, to enable it to discharge its functions as a Self Regulatory Organization in accordance with the provisions of the Act and these regulations;
  - (e) the applicant referred to in regulation 3 and its directors have the professional competence, financial soundness and general reputation of fairness and integrity to the satisfaction of the Board;
  - (f) neither the applicant, nor any director of the applicant is involved in any legal proceeding connected with the securities



market, which may have an adverse impact on the interests of the investors;

(g) neither the applicant, nor any director has at any time in the past been convicted of any offence involving moral turpitude or any economic offence;

(h) the applicant has, in its employment, persons having adequate professional and other relevant experience to the satisfaction of the Board;

(i) the applicant, in all other respects, is a fit and proper person for the grant of a certificate;

(j) grant of certificate to the applicant is in the interest of investors and the securities market.

#### **Grant of recognition as a Self Regulatory Organization**

5. (1) If the Board is satisfied, after making such inquiry as may be necessary in this behalf and after obtaining such further information, if any, as it may require, -

(a) that the articles and governing norms of the applicant applying for recognition are in conformity with such conditions as may be specified by the Board;

(b) that the applicant is willing to comply with any other conditions which the Board may impose for the purpose of carrying out the objects of these Regulations; and,

(c) that it would be in the interest of the trade and also in the public interest to grant recognition to the applicant as a Self Regulatory Organization;

the Board may grant certificate of recognition to the applicant as a Self Regulatory Organization in Form B1 of the First Schedule subject to such terms and conditions as the Board may deem fit and appropriate.

(2) The conditions which the Board may specify under sub-regulation (1) for the grant of recognition to the applicant as a Self Regulatory Organization may include, among other matters, conditions relating to, -

(i) the qualification for membership of the Self Regulatory Organization;

(ii) the representation of the Board in the Board of Directors of the Self Regulatory Organization by such number of directors not exceeding four as the Board may nominate in this behalf; and

(iii) the maintenance of accounts of members and their audit by chartered accountants whenever such audit is required by the Board.

(3) No articles of Self Regulatory Organization relating to any of the matters specified in clauses (a), (b) and (c) of sub-regulation (2) of Regulation 3 shall be amended except with the prior written approval of the Board.

**Application to conform to the requirements**

6. Any application for a certificate, which is not complete in all respects or does not conform to the requirements of these regulations and particularly regulations 3, 4 and 5 or instructions specified in Form A shall be rejected by the Board.

**Provided that**, before rejecting any such application, the Board shall give an opportunity to the applicant to remove such objections as may be indicated by the Board, within 30 days of the date of receipt of relevant communication, from the Board.

**Provided further** that the Board may, on sufficient cause being shown, extend the time for removal of objections by such further time, not exceeding 30 days as the Board may consider fit, to enable the applicant to remove such objections.

**Furnishing of information, clarification and personal representation**

- 7.(1) The Board may require the applicant to furnish such further information or clarification as it may consider necessary for the purpose of processing of the application.
- (2) The Board, if it so desires, may require the applicant to appear before it through an authorized representative for personal representation in connection with the grant of a certificate of recognition.

**Conditions of certificate and validity period**

8. (1) The certificate granted under regulation 5 shall be, subject to the following conditions, namely: -
- (a) the applicant shall comply with the provisions of the Act, applicable regulations and guidelines, directions or circulars issued by the Board from time to time;
  - (b) any information or particulars furnished to the Board by the applicant shall not be false or misleading in any material respect;
  - (c) where any material information or particulars furnished to the Board by the applicant, in or in connection with the application for recognition, has undergone change subsequent to its furnishing, the applicant shall forthwith inform the fact to the Board in writing;

(2) The certificate of recognition shall be valid for a period of five years.

### **Renewal of certificate**

9. (1) Any Self Regulatory Organization desirous of obtaining renewal of the recognition granted to it, shall make to the Board an application for the renewal of the certificate of recognition in Form A of the First Schedule.

(2) Such application shall be made not less than three months before expiry of the period of validity of the certificate, specified in sub-regulation (2) of regulation 8.

(3) The application for renewal made under sub-regulation (1), -  
(a) shall be accompanied by a renewal fee as specified in the second schedule; and,  
(b) as far as may be, shall be dealt with in the same manner as if it were an application for the grant of a fresh certificate under regulation 3.

(4) If the Board is satisfied that the certificate of recognition already granted to the Self Regulatory Organization under sub-regulation (1) of regulation 5 or the certificate previously renewed under this regulation deserves to be renewed, the Board may renew such certificate in Form B2 of the First

Schedule subject to such terms and conditions as it may deem fit and appropriate.

**Procedure where certificate is not granted**

10. (1) If, after considering an application made under regulation 3 or regulation 9, as the case may be, the Board is of the opinion that a certificate should not be granted or renewed, it may, after giving the applicant a reasonable opportunity of being heard, reject the application within a period of thirty days of receipt of such application complete in all respects or within thirty days of receipt of further information or clarification sought under regulation 7.
- (2) If any application is rejected under sub-regulation (1), the fact shall be communicated to the applicant forthwith, stating the grounds for such rejection.

**Effect of refusal to grant certificate**

11. (1) An applicant referred to in sub regulation (1) of regulation 3 whose application for the grant of a certificate has been rejected under sub-regulation (1) of regulation 10 shall not undertake any activity as Self Regulatory Organization.

- (2) A Self Regulatory Organization referred to in regulation 9 whose application for the renewal of certificate has been rejected by the Board shall on and from the date of the receipt of the communication from the Board under sub regulation (2) of regulation 10 cease to carry on any activity as Self Regulatory Organization.
- (3) If the Board is satisfied that it is in the interests of investors to do so, it may permit the Self Regulatory Organization referred to under sub-regulation (2) to complete the functions or obligations already initiated or undertaken by it during the pendency of the application or during the period of validity of the certificate.
- (4) The Board may in order to protect the interests of investors, issue directions with regard to the transfer of records, documents or reports relating to the functions of the Self Regulatory Organization, whose application for the grant or renewal of a certificate has been rejected.
- (5) The Board may, in order to protect the interests of investors, appoint any person to take charge of the records, documents or reports relating to the organization referred to in sub-regulation (4) and for this purpose also determine the terms and conditions of such appointment.

**CHAPTER III****Composition and functions of Self Regulatory Organizations****Composition of Board of Directors**

12. (1) The Articles of Association of a Self Regulatory Organization shall provide for the following: -

- (a) There shall be a Board of Directors of the Self Regulatory Organization and majority of directors shall be independent directors.
- (b) The independent directors shall not be required to hold any qualification shares.
- (c) The Board of Directors shall consist of nine directors out of which five directors shall be nominated by the Board and the remaining four shall be elected by the members of the Self Regulatory Organization.
- (d) The General Superintendence, direction and management of the affairs of the Self Regulatory Organization shall vest in its Board of Directors, which may exercise all powers and do all acts and things which may be exercised or done by the Self Regulatory Organization.



- (e) There shall be a Chairman, who shall be an independent professional, appointed by Board of Directors, with the prior approval of the Board.
- (f) The Chairman shall be responsible for day-to-day administration of Self Regulatory Organization and implementing the decisions of Board of Directors.
- (g) The Board of Directors may establish committees including disciplinary committee, screening committee, arbitration committee or remuneration committee in order to carry out the purposes of these regulations.

**Provided that** the committees constituted under this regulation may consist wholly of other persons or partly of directors and partly of other persons.

**Provided further that** the majority of members of each such committee shall be independent.

- (h) The office bearers of Board of Directors shall relinquish their office, when the Board passes an order under clause (c) of sub-section (4) of section 11 of the Act.
- (i) The Board of Directors of the Self Regulatory Organization shall be reconstituted as and when required by the Board.

**Membership of Self Regulatory Organization**

13. (1) After commencement of these regulations, any application for registration or renewal of registration as an intermediary with the Board under the respective regulations applicable to such intermediaries, shall in case of any applicant who is a member of a Self Regulatory Organization or who ought to be a member of a Self Regulatory Organization, be made only through the Self Regulatory Organization of which he is a member, in the specified manner.
- (2) The application under sub-regulation (1) shall be forwarded by the Self Regulatory Organization to the Board along with its recommendation for grant or refusal of certificate of registration not later than 30 days from the date of its receipt.
- (3) The Self Regulatory Organization shall also give the reasons for its recommendation either for granting certificate of recognition or for refusal of certificate of registration by the Board.

**Functions and Obligations of Self Regulatory Organization**

14. (1) A Self Regulatory Organization shall always abide by the directions of the Board.

- (2) The Self Regulatory Organization shall be responsible for investor protection and education of investors or its members and shall ensure observance of Securities Laws by its members.
- (3) The Self Regulatory Organization shall specify standard of conduct for its members and also shall be responsible for the implementation of the same by its members.
- (4) The Self Regulatory Organization shall conduct inspection and audit of its members, on regular basis, through independent auditors.
- (5) The Self Regulatory Organization shall submit its annual report to the Board.
- (6) The Self Regulatory Organization shall treat all its members and the applications for membership in a fair and transparent manner.
- (7) The Self Regulatory Organization may collect admission and membership fees from its members for carrying out the purposes of these regulations.
- (8) The Self Regulatory Organization shall promptly inform the Board of violations of the provisions of the Act, the rules, the regulations, the directions, the circulars or the guidelines by any of its members.

- (9) The Self Regulatory Organization shall conduct screening and certification tests for its members, agents and such other persons as it may determine.
- (10) Self Regulatory Organization shall conduct training programmes for its members or agents and also conduct awareness programmes for securities market investors.
- (11) The Self Regulatory Organization shall make endeavors for introduction of best business practices amongst its members.
- (12) The Self Regulatory Organization shall act in utmost good faith and shall avoid conflict of interest in the conduct of its functions.
- (13) The Self Regulatory Organization shall comply with the norms of corporate governance as applicable to listed companies.
- (14) The Self Regulatory Organization may discharge such other functions and obligations as may be specified by the Board, from time to time.

#### **Governing norms of Self Regulatory Organization**

- 15. (1) A Self Regulatory Organization may, subject to the previous approval of the Board, make governing norms and articles

consistent with the provisions of the Act and these regulations.

(2) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, the governing norms or articles may provide for:-

- (i) eligibility criteria for admission and removal of members from Self Regulatory Organization;
- (ii) manner and the periodicity of furnishing information to the Board and to its members;
- (iii) arbitration mechanism for resolving disputes between members and / or between members and their constituents;
- (iv) procedure for proceeding against the member committing breach of the governing norms or articles including provisions for suspension or expulsion of members from the Self Regulatory Organization;
- (v) internal control standards including procedure for inspection, auditing, reviewing, monitoring and surveillance of its members by Self Regulatory Organization;

- (vi) code of conduct specifying standards for its members in the conduct of business;
- (vii) procedure for conduct of election of the office bearers and members of the committees;
- (viii) obligation of members to supply such information or explanation and to produce such documents relating to the business as Board of Directors may require;
- (ix) manner of disciplinary action against its members by Self Regulatory Organization;
- (x) contents and format of the annual report;
- (xi) procedure for conduct of the meetings, quorum etc of Board of Directors;
- (xii) manner of maintaining accounts or records of the Self Regulatory Organization; and,
- (xiii) reporting requirements to the Board on monthly basis about various aspects of its functioning including policy initiatives, progress in certification, number of members admitted and disciplinary action taken against members, if any.

(3) The governing norms or articles shall also provide that the contravention of any of the governing norms shall render the member of Self Regulatory Organization concerned liable to one or more of the following punishments, namely:-

(i) forfeiture of shares;

(ii) expulsion from membership;

(iii) suspension from membership for a specified period;

(iv) any other penalty of a like nature not involving the payment of money.

(4) Where the Board considers it expedient so to do, it may, by order in writing, direct a Self Regulatory Organization to make any governing norms or to amend or revoke any of them within such period as it may specify in this behalf.

(5) If a Self Regulatory Organization fails or neglects to comply with such order within the specified period, the Board may make, amend or revoke the governing norms either in the form specified in the order or with such modifications as the Board may think fit.

**CHAPTER IV****Inspection and audit****Board's right to inspect**

16. (1) Where it appears to the Board so to do, it may appoint one or more persons as inspecting authority to undertake inspection of the books of accounts, other records and documents of the Self Regulatory Organization for any of the purposes specified in sub-regulation (2).

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) shall be as follows, namely: -

- (a) to ensure that the provisions of the Act, the regulations, the directions and the circulars issued by the Board are being complied with;
- (b) to inquire into the complaints received from members, investors, or any other person on any matter having a bearing on the activities of the Self Regulatory Organization; or,
- (c) to inquire suo motu, in the interest of securities business or investors' interest, into the affairs of the Self Regulatory Organization.



**Procedure for inspection**

- 17.(1) Before undertaking any inspection under regulation 16, the Board shall give a reasonable notice to the Self Regulatory Organization for that purpose.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of the investors or in public interest, no such notice should be given, it may by an order in writing, direct that the inspection of the affairs of the Self Regulatory Organization be taken up without such notice.
- (3) On being empowered by the Board, the inspecting authority shall undertake the inspection and the Self Regulatory Organization against whom an inspection is being carried out shall be bound to discharge its obligations as provided under regulation 18.

**Obligations of Self Regulatory Organization on inspection by the Board**

- 18.(1) It shall be the duty of the Chairman, every Director, officer and employee of the Self Regulatory Organization, who is being inspected to produce to the inspecting authority or to any person authorized by him, such books, accounts and other documents in their custody or control and furnish to the Board the statements and information relating to the

activities of Self Regulatory Organization in securities market within such time as the Board may require.

- (2) The Self Regulatory Organization shall allow the inspecting authority or any person authorized by him to have reasonable access to the premises occupied by the Self Regulatory Organization or by any other person on its behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the Self Regulatory Organization or any other person and also provide copies of documents or other materials which, in the opinion of the inspecting authority are relevant.
- (3) The inspecting authority in the course of inspection shall be entitled to examine or record statements of the Chairman, Director, any member and employee of the Self Regulatory Organization.
- (4) It shall be the duty of the Chairman, every Director, officer and employee of the Self Regulatory Organization to give to the inspecting authority all assistance in connection with the inspection, which the Self Regulatory Organization may reasonably be expected to give.

**Submission of report to the Board**

19. The inspecting authority shall, as soon as possible, submit an inspection report to the Board.

**Appointment of auditor**

20. (1) Notwithstanding anything contained above, the Board may appoint a qualified auditor to inspect the books of account or the affairs of the Self Regulatory Organization.

**Provided** that the auditor so appointed shall have the same powers of the inspecting authority as mentioned in regulation 16 and the obligations of Self Regulatory Organization mentioned in regulation 18 shall be applicable to an inspection under this regulation.

- (2) The Board shall be entitled to recover the expenses of such audit or inspection as may be incurred by it, including fees paid to the auditors, from the concerned Self Regulatory Organization.

**Power of the Board to call for periodical returns or direct inquiries to be made**

21.(1) Every Self Regulatory Organization shall furnish to the Board such periodical returns relating to its affairs as may be specified.

(2) Every Self Regulatory Organization and every member thereof shall maintain and preserve for such periods such books of account and other documents as the Board after consultation with Board of Directors of Self Regulatory Organization concerned, may specify in the interests of the trade or in the public interest and such books of account and other documents shall be subject to inspection at all reasonable times by the Board.

(3) Without prejudice to the provisions contained in sub-regulation (1) and (2), if the Board is satisfied that it is in the interests of the trade or in the public interest so to do, it may, by order, in writing, -

(a) call upon Board of Directors of a Self Regulatory Organization or any member thereof to furnish in writing such information or explanation relating to the affairs of the Self Regulatory Organization or of the member in relation to the Self Regulatory Organization as the Board may require; or

(b) appoint one or more persons to make an inquiry in the prescribed manner in relation to the affairs of a Self Regulatory Organization or the affairs of any members of the Self Regulatory Organization in relation to the Self Regulatory Organization and submit a report of the result of such inquiry to the Board within such time as may be specified in the order or, in the case of inquiry in relation to the affairs of any of the members of a Self Regulatory Organization direct Board of Directors to make the inquiry and submit its report to the Board.

(4) Where an inquiry in relation to the affairs of a Self Regulatory Organization or the affairs of any of its members in relation to the Self Regulatory Organization has been undertaken under sub-regulation (3), -

(a) the Chairman, every director, manager, secretary, or other officer of the Self Regulatory Organization.

(b) every member of such Self Regulatory Organization.

(c) if the member of the Self Regulatory Organization is a firm, every partner, manager, secretary or other officer of the firm; and,

(d) every other person or body of persons who has had dealings in the course of business with any of the persons

mentioned in clause (a), (b) or (c) whether directly or indirectly;

shall be bound to produce before the authority making the inquiry all such books of account, and other documents in his custody or power relating to or having a bearing on the subject matter of such inquiry and also furnish to the authority such statement or information as he may require within such time as may be specified by him.

## **Chapter V**

### **Action in case of default**

#### **Obligation of Board of Directors to take disciplinary action against a member if so directed by the Board**

22. (1) After receiving the report of an enquiry made under regulation 21, the Board may take such action as it deems proper and, in particular, may direct Board of Directors of the Self Regulatory Organization to take such disciplinary action against the delinquent member, including expulsion, suspension or any other penalty of a like nature not involving the levy of monetary penalty, as may be specified by it and thereupon, notwithstanding anything to the contrary contained in the articles or governing norms of the Self Regulatory Organization concerned, the Board of Directors of the Self Regulatory Organization shall give effect to the directions of the Board and

shall not in any manner commute, revoke or modify the action taken in pursuance of such directions, without the prior written approval of the Board.

- (2) The Board may either on its own motion or on representation of the member concerned, modify or withdraw any of its directions issued under sub-regulation (1), if it is satisfied that there are sufficient grounds for doing so.

#### **Withdrawal of recognition**

23. (1) If the Board is of the opinion that the recognition granted to a Self Regulatory Organization under the provisions of these Regulations should, in the interest of the trade or in the public interest, be withdrawn, it may serve a written notice in Form "C" on Board of Directors of the Self Regulatory Organization calling upon it to show cause as to why the recognition should not be withdrawn for the reasons stated in the notice.

- (2) Where a notice is issued under sub-regulation (1), the Board may, after giving an opportunity to Board of Directors of the Self Regulatory Organization to be heard in the matter, withdraw, by passing an order, the recognition granted to the Self Regulatory Organization and thereupon sub-regulations (3), (4) and (5) of regulation 11 would apply as if the application of the Self Regulatory Organization for renewal of recognition has been rejected under regulation 10.

- (3) The Board shall promptly communicate such order to the concerned Self Regulatory Organization.
- (4) On receipt of the order passed under sub-regulation (2), the Self Regulatory Organization shall cease to carry on any activity as a Self Regulatory Organization and shall comply with such directions as may be issued by the Board under sub-regulation (2) read with sub-regulations (3), (4) or (5) of regulation 11, as the case may be.

#### **Action in case of violation**

24. If any Self Regulatory Organization, any office bearer or member thereof violates any provisions of the Act or these regulations, it may be liable for –
- (a) action under Chapter VIA of the Act;
  - (b) action under subsection (3) of section 12 of the Act;
  - (c) action under subsection (4) of section 11 and section 11B of the Act;
  - (d) action under section 24 of the Act;
  - (e) such other action permissible under the Act which may be deemed appropriate in the facts and circumstances of the case.



**FIRST SCHEDULE****FORMS****FORM A****(See Regulations 3 and 9)**

**Application for recognition / renewal of a Self Regulatory Organization under Regulation 3 of Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory Organizations) Regulations, 2003.**

To

.....

.....

*Subject : Application for recognition / renewal of a Self Regulatory Organization under Regulation 3 of Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory Organizations) Regulations, 2003.*

Sir,

1. I, being duly authorized for the purpose, hereby apply on behalf of ..... (name and address of the applicant) being a company eligible to be recognized as a Self Regulatory Organization as defined in Regulation 2(i) of Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory Organizations) Regulations, 2003 for recognition / renewal for the purpose of the said Regulations.

2. Four copies of the memorandum and articles of association of the Self Regulatory Organization and four copies of the

governing norms are enclosed, alongwith the applicant's Board resolution dated \_\_\_\_\_ authorizing the undersigned to make this application on its behalf.

3. All the necessary information required in the Annexure to this Form is enclosed. Any additional information will be furnished as and when called for by the Securities and Exchange Board of India.
4. I on behalf the Self Regulatory Organization hereby undertake to comply with the requirements of Regulation 4 of the said Regulations and such other conditions and terms as may be contained in the certificate of recognition or be specified or imposed subsequently.
5. Demand Draft No .... dated .....for Rs. .... is attached.

Yours faithfully

Signature of authorized signatory  
with name and designation

(On behalf of \_\_\_\_\_ <name of the applicant>)

**ANNEXURE TO FORM 'A'****Part I - General**

1. Name of the applicant.

2. Address.

3. Date of establishment.

**Part II - Membership**

1. State the number of members at the time of application. Also specify how many are inactive.

2. Do you insist on any minimum qualifications and experience before enrolling new members? If so give details.

3. Do you collect any admission / entrance fee from your member?  
If so, how much?

**Part III - Board of Directors**

1. What is the present strength of your Board of Directors? Give details of the constitution, powers of management, election and tenure of the office Board of Directors, and the manner in which its business is transacted.

2. How many SEBI's representatives are there? Furnish their names.
3. Do you have any provision for the appointment of disciplinary committee, screening committee etc? If so, furnish the details of the method of their appointment, terms of office, powers and functions.
4. Give the designations, powers and duties of office-bearers of your organization. Are any of these office – bearers in the pay of the Self Regulatory Organization? If so, give details as to the mode of their appointment, tenure of office and remuneration.

#### **Part IV – Miscellaneous**

1. Do you have any machinery for arbitration of disputes between members and / or between members and their constituents ?  
Give details.
2. Are you charging admission fees from your members ? If so, give details.

## Form B1

**Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory Organizations) Regulations, 2003****( See Regulation 5 )****Certificate of Recognition**

1. In exercise of the powers conferred by regulation 5 of these regulations, the Board hereby grants a certificate of recognition No. .... to M/s ..... to act as a Self Regulatory Organization in accordance with these regulations and the conditions mentioned in the annexure.
2. Recognition Code for Self Regulatory Organization is .....
3. The certificate shall be valid from ..... to ..... and may be renewed as specified in Regulation 9 of Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory Organizations) Regulations, 2003.

**Place :****By order****Date :****Sd/-****For and on behalf of  
Securities and Exchange Board of India**

**Note: -** Application for renewal of recognition shall be made so as to reach the Board not less than three months before the expiry of the period.

**Form B2****Securities and Exchange Board of India (Self Regulatory  
Organizations) Regulations, 2003****( See Regulation 9(4) )****Certificate of renewal of Recognition**

1. In exercise of the powers conferred by sub-regulation (4) of regulation 9, the Board hereby renews the certificate of recognition No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_, issued to M/s. \_\_\_\_\_, to function as a Self Regulatory Organization, for a further period of \_\_\_\_\_ years from \_\_\_\_\_.
2. Recognition Code for Self Regulatory Organization is .....

**Place :****By order****Date :****Sd/-****For and on behalf of  
Securities and Exchange Board of India**

**Note:** - Application for further renewal of recognition shall be made so as to reach the Board not less than three months before the expiry of the validity period of this certificate.

**FORM C****(See Regulation 23)****Notice to show cause against the withdrawal of registration****THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

Mumbai, the .....day of ....2003

To,

.....  
.....

(name and address of the Self Regulatory Organization)

You are hereby called upon to show cause on or before  
..... at the office of ..... (designation of  
the officer) why the certificate of recognition No. .... granted to  
you under Regulation 5 of Securities and Exchange Board of  
India (Self Regulatory Organizations) Regulations, 2003, should  
not be withdrawn for the reasons given below:

.....  
.....**Signature of the Officer**  
**Designation**

**SECOND SCHEDULE****PART 'A'****Securities And Exchange Board Of India (Self Regulatory  
Organizations) Regulations, 2003****[ See Regulation 3 (4) and 9 (3) ]****FEES****PART A****AMOUNT TO BE PAID AS FEES**

---

	(Rs.)
Application fee	25, 000
Recognition fee for grant of certificate	5, 00, 000
Renewal fee	3, 00, 000

---

**PART B**

The fees specified above shall be paid by way of a demand draft in favour of 'Securities and Exchange Board of India' payable at Mumbai.

G. N. BAJPAI, Chairman

[ADVT. III/IV/69ZB/2003/Exty.]